RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ARJUN BATCH

CLASS 10th | GEOGRAPHY

वन एवं वन्य जीव संसाधन

Forest and Wildlife Resources



अध्याय-2 | भाग-2

एकदम BASIC से!

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

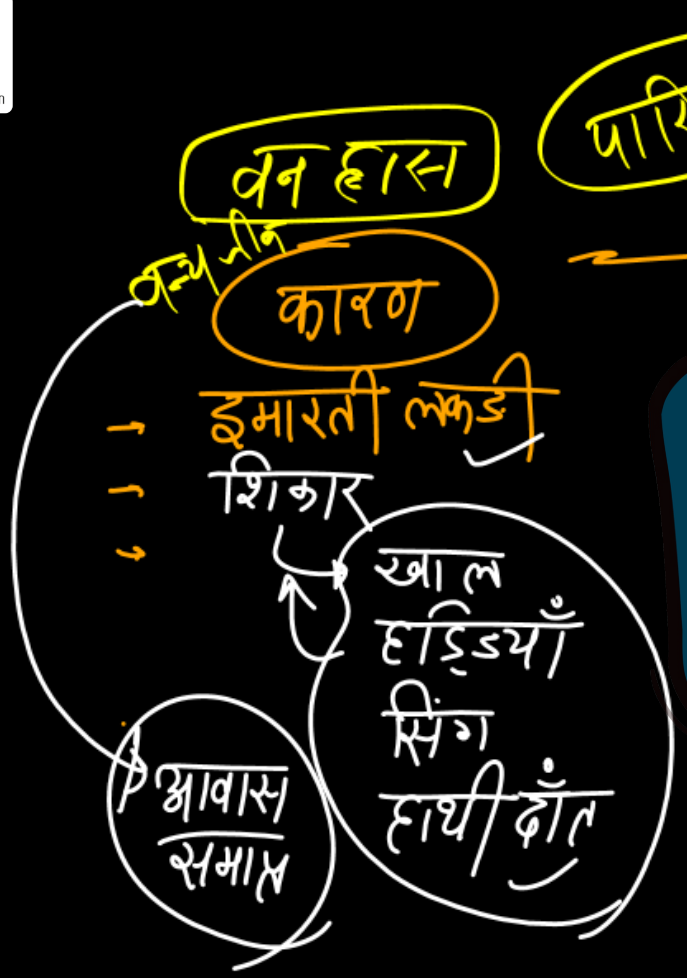
आज क्या पढेंगे ?

जैव विविधता

1. भारत में वन और वन्य जीवन का संरक्षण
2. बाघ परियोजना
3. भारत मानचित्र

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



भारत में वन और वन्य जीवन का संरक्षण

वन्य जीवन और वनों में तेज गति से हो रहे ह्रास के कारण इनका संरक्षण बहुत आवश्यक हो गया है

वनों और वन्य जीवन का संरक्षण करना आवश्यक क्यों है?

- पारिस्थितिकी विविधता बनी रहती है
- हमारे जीवन-साध्य संसाधन (जल, वायु और मृदा) बने रहते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

1952 → राष्ट्रीय वन नीति ?? 33 %



1960 और 1970 के दशकों के दौरान, पर्यावरण संरक्षकों ने *राष्ट्रीय वन्यजीवन सुरक्षा कार्यक्रम* की पुरजोर माँग की।

1972 में भारतीय वन्यजीवन (रक्षण) अधिनियम लागू किया गया जिसमें वन्य जीवों के आवास रक्षण के अनेक प्रावधान थे।

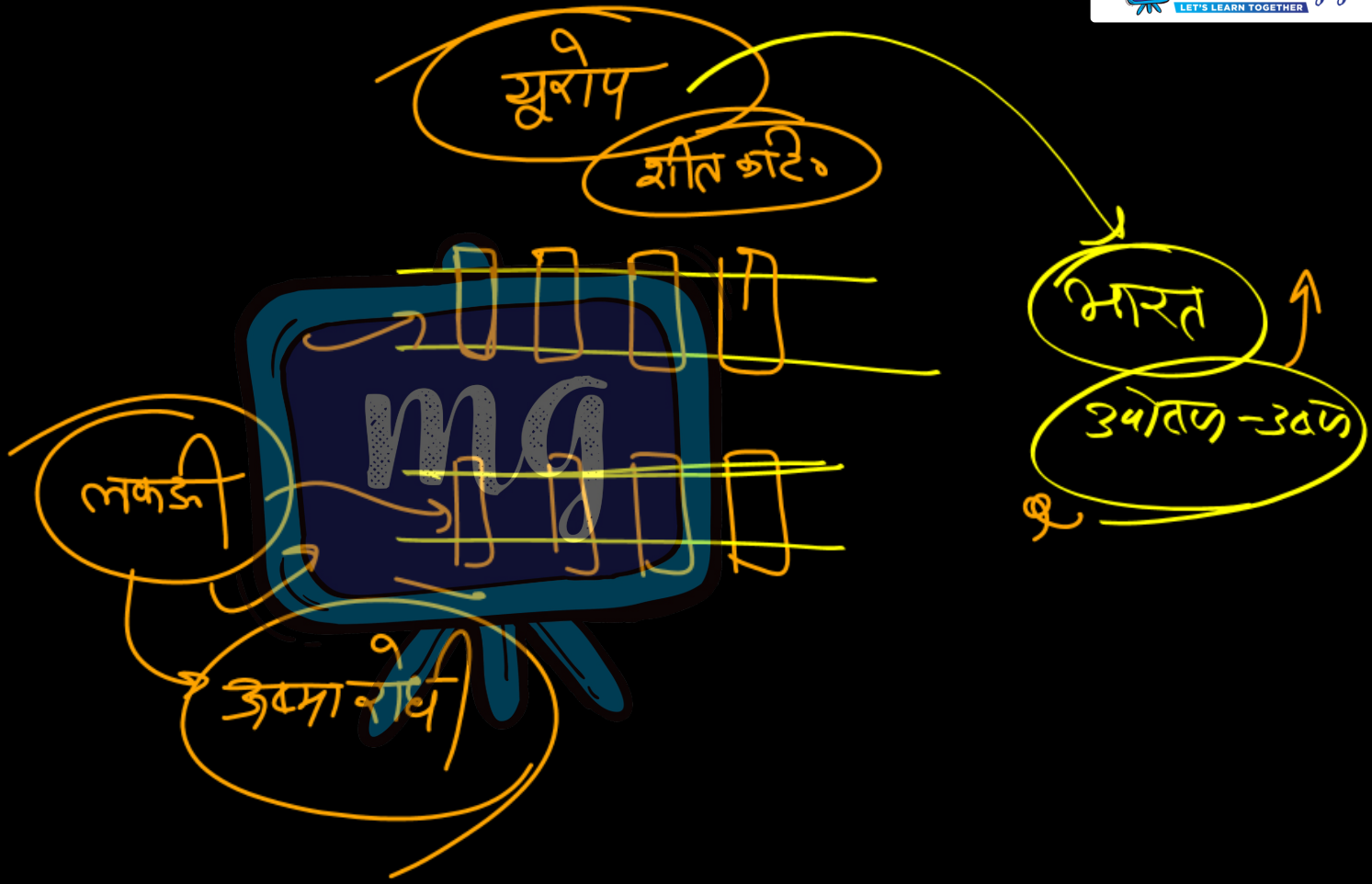
वन क्षेत्र

सम्पूर्ण भारत में रक्षित जातियों की सूची प्रकाशित की गई।

राष्ट्रीय उद्यान
वन्य जीव अभयारण्य

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

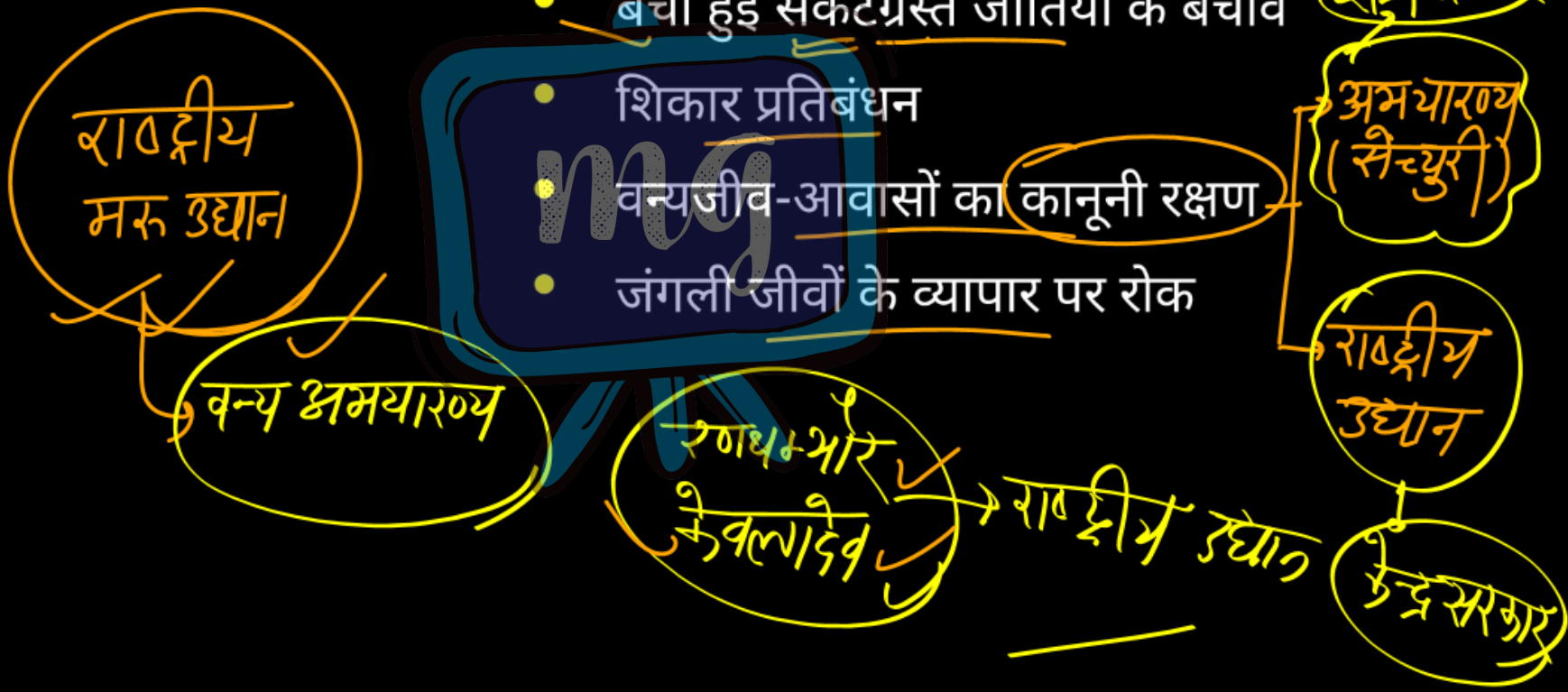


RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

इस कार्यक्रम के तहत निम्न पर जोर दिया गया है—

- बची हुई संकटग्रस्त जातियों के बचाव
- शिकार प्रतिबंधन
- वन्यजीव-आवासों का कानूनी रक्षण
- जंगली जीवों के व्यापार पर रोक



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER





तत्पश्चात् केंद्र-सरकार व कई राज्य-सरकारों ने राष्ट्रीय उद्यान और वन्य जीव अभयारण्य (Sanctuary) स्थापित किए।

केंद्र-सरकार ने कई परियोजनाओं की भी घोषणा की जिनका उद्देश्य गंभीर खतरे में पड़े कुछ विशेष वन्य-प्राणियों को रक्षण प्रदान करना था।

बाघ, एक सींग वाला गैंडा, कश्मीरी हिरण (हंगुल), मगरमच्छ (स्वच्छ-जल मगरमच्छ, लवणीय-जल मगरमच्छ और घड़ियाल), एशियाई शेर आदि

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER







- वन्य-जीव अधिनियम के अंतर्गत अधिसूचना (1980 और 1986) के तहत् सैकड़ों तितलियों, पतंगों, भृगों और एक ड्रैगनफ्लाई को भी संरक्षित जातियों में शामिल किया गया है।
- 1991 में पौधों की 6 जातियाँ भी पहली बार इस सूची में रखी गई।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- इसके अतिरिक्त, कुछ समय पहले भारतीय हाथी, काला हिरण, चिंकारा, भारतीय गोडावन (Bustard) और हिम तेंदुओं आदि के शिकार और व्यापार पर संपूर्ण या आंशिक प्रतिबंध लगाकर कानूनी रक्षण दिया है।







RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



बाघ परियोजना

वन्यजीवन संरचना में बाघ (Tiger) एक महत्त्वपूर्ण जंगली जाति है।

देश में बाघों की अनुमानित संख्या

20वीं शताब्दी के आरंभ में → 55,000

1973 में → 1,827

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

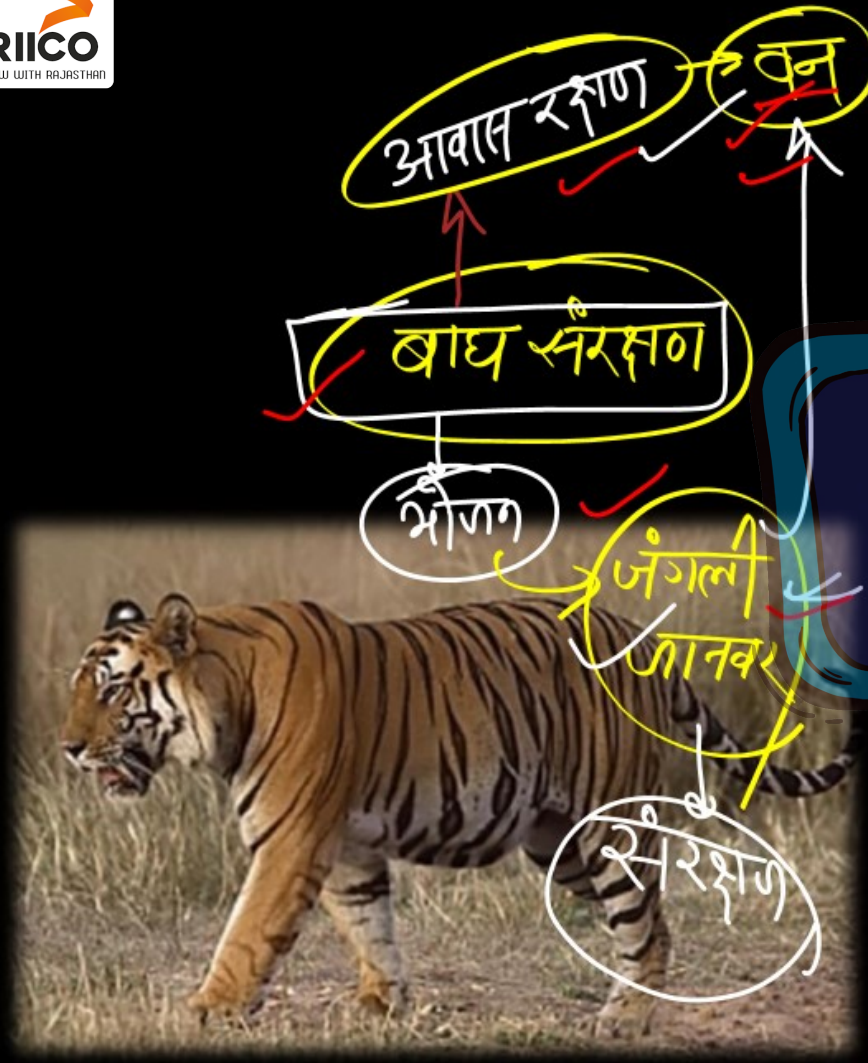
mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



बाघों की घटती संख्या के मुख्य कारण —

- बाघों को अवैध शिकार/व्यापार (खाल, हड्डियों का औषधियों में प्रयोग);
- आवासीय स्थलों का सिकुड़ना;
- जनसंख्या-वृद्धि;
- भोजन के लिए आवश्यक जंगली जातियों की संख्या कम होना;

बाघ → मांसाहारी



चूँकि भारत और नेपाल दुनिया की दो-तिहाई बाघों का आवास हैं, अतः ये शिकार, चोरी और गैर-कानूनी व्यापार करने वालों के मुख्य निशाने पर हैं।

प्रोजेक्ट टाईगर (Project Tiger)

- शुरुआत : 1973 में
- विश्व की बेहतरीन वन्य जीव परियोजनाओं में से एक
- बाघ संरक्षण मात्र एक संकटग्रस्त जाति को बचाने का प्रयास नहीं है, अपितु इसका उद्देश्य बहुत बड़े आकार के जैवजाति को भी बचाना है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



भारत में बाघ संरक्षण परियोजनाएं —

- कॉरबेट राष्ट्रीय उद्यान (उत्तराखण्ड)
- बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान (मध्य प्रदेश)
- सरिस्का बाघ रिजर्व (राजस्थान)
- सुंदरबन राष्ट्रीय उद्यान (पश्चिम बंगाल)
- मानस बाघ रिजर्व (असम)
- पेरियार बाघ रिज़र्व (केरल)

अलवर

डेल्टाई

सुन्दरी प्रजाति के वृक्ष/वन

रॉयल बंगाल टाइगर

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



7 सिस्टर्स
पूर्वोत्तर राज्य
(उ-पू. राज्य)